faithful implementation of the Three Language Formula. School education is primarily looked after by the State Government. The States have their own agencies to work out and prescribe the scheme of studies to be followed by their schools.

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has revised the scheme of studies in September,1988 for secondary examination to ensure faithful adherence to the provisions of N.P.E., 1986. It requires teaching of Hindi, English and a modern Indian language going upto X Board Examination. Sanskrit will be studied as part of Hindi by all students who study Hindi for 10 years. In addition, candidates can offer, on optional basis, Sanskrit as an additional subject. A number of people have written to voice their fear that this arrangement would dilute the teaching of Sanskrit in schools. In this connection it may be noted that there is no intention whatsoever of reducing the importance of Sanskrit. In the revised scheme of studies, Sanskrit as part of Hindi will be studied by a larger number of students than before and since it will be examinable in the Board Examilation, it will be studied seriously.

According to the scheme of studies described by the CBSE at +2 Level a andidate can offer two languages. One >f these can be Sanskrit.

\5\5ATransferred to the 10th March 1989]

देश में फ्लाइंग क्लबों को पेश आ रही कठिनाइयां

1514. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या नागर **मानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या सरकार देश के तमाम फ्लाइंग क्लबों को जीवित करने और उनके उड़ान के घंटों में वृद्धि करने विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो किन-किन फ्लाइंग क्लबों को जल्दी ही बंद कर दिये जाने का प्रस्ताव है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (राज पाटिल): (क) और (ख) देश के अधिकांश फ्लाइंग क्लब संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं, इसलिए इनके पुनः चालू करने का प्रश्न नहीं उठता। तथापि,सहायता प्राप्त उड़ान घंटों में वृद्धि का एक प्रस्ताव है। इस समय किसी भी फ्लाइंग क्लब को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग

1515. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अंत तक राजस्थान में कौन-कौन से मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाये जाने की संभावना है;

(ख) क्या यह सच है कि सवाई माधोपुर जिले में दो पुल निर्माणाधीन हैं, एक तो पाली ग्राम के निकट, चम्बल नदी पर और दूसरा दुसी ग्राम के निकट बनास नदी पर, यदि हां तो क्या इन पुलों के बन जाने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला सबसे कम दूरी का कोई नया राष्ट्रीय राजमार्ग अस्तित्व में आ जाएगा; और

(ग) इसके कब तक पूरी तरह से बन जाने की संभावना है, इसकी लंबाई कितनी होगी तथा वर्तमान किन-किन राष्ट्रीय राजमार्गों से यह जुड़ेगा तथा किन-किन जिलों में से होकर गुजरेगा?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) राजस्थान से गुजरने वाली निम्नलिखित 2 सड़कों को हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है :—

(1) बियावर-सिरोही-कांड़ला रोड
(2) एन एच 8 पर मनोहर पुर से एन एच -11 पर दौसा तक।

सातवीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति तक राजस्थान में किसी नए मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने की संभावना नहीं है।